

::आयुक्त (अपील्स) का कार्यालय,वस्तु एवं सेवा करऔरकेन्द्रीय उत्पाद शुल्क:: O/O THE COMMISSIONER (APPEALS), GST &CENTRAL EXCISE

द्वितीय तल. जी एस टी भवन / 2nd Floor, GST Bhavan रेस कोर्स रिंग रोड / Race Course Ring Road राजकोट / Rajkot – 360 001



Tele Fax No. 0281 - 2477952/2441142 Email: commrappl3-cexamd@nic.in

रजिस्टर्ड डाक ए.डी. द्वारा

DIN- 20230264SX000000A4AB

do

अपील / फाइलसंख्या/ Appeal /File No

GAPPL/COM/3457/2022

मूल आदेश सं 1

O.I.O. No.

513/SERVICE TAX/DEMAND/2021-22 दिनांक/Date

24-02-2023

अपील आदेश संख्या(Order-In-Appeal No.):

BHV-EXCUS-000-APP-072-2023

आदेश का दिनांक /

Date of Order:

केन्द्रीय उत्पा

23.02.2023

जारी करने की तारीख

Date of issue:

24.02.2023

श्री शिव प्रताप सिंह, आयुक्त (अपील्स), राजकोट द्वारा पारित I

Passed by Shri Shiv Pratap Singh, Commissioner (Appeals), Rajkot.

अपर आयुवत/ संयुक्त आयुक्त/ उपायुक्त/ सहायक आयुक्त, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क/ सेवाकर/वस्तु एवंसेवाकर,राजकोट / जामनगर / गांधीधाम। द्वारा 1 उपरलिखित जारी मूल आदेश से सुजित: /

Arising out of above mentioned OIO issued by Additional/Joint/Deputy/Assistant Commissioner, Central Excise/ST / GST, Rajkot / Jamnagar / Gandhidham:

अपीलकर्ता&प्रतिवादी का नाम एवं पता /Name & Address of the Appellant & Respondent :-

OPP. AZAD SANDIDHYA ELEGANCE, 701, Dr Hardik Mehta, STOP,,AMBAWADI,AHMEDABAD-380015

इस आदेश(अपील) से व्यथित कोई व्यक्ति निम्नलिखित तरींके में उपयुक्त प्राधिकारी / प्राधिकरण के समक्ष अपील दायर कर सकता है।/ Any person aggrieved by this Order-in-Appeal may file an appeal to the appropriate authority in the following way.

सीमा शुल्क ,केन्द्रीय उत्पाद शुल्क एवं सेवाकर अपोलीय न्यायाधिकरण के प्रति अपोल, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क अधिनियम ,1944 की धारा 35B के अंतर्गत एवं वित्त अधिनियम, **1994** की धारा **86** के अंतर्गत निम्नलिखित जगह की जा सकती है ॥ (A)

Appeal to Customs, Excise & Service Tax Appellate Tribunal under Section 35B of CEA, 1944 / Under Section 86 of the Finance Act, 1994 an appeal lies to: -

वर्गीकरण मूल्यांकन से सम्बन्धित सभी मामले सीमा शुल्कं, केन्द्रीय उत्पादन शुल्क एवं सेवाकर अपीलीय न्यायाधिकरण की विशेष पीठ, वेस्ट ब्लॉक नं (i) 2, आरं° के° पुरम, नई दिल्ली, को की जानी चाहिए I

The special bench of Customs, Excise & Service Tax Appellate Tribunal of West Block No. 2, R.K. Puram, New Delhi in all matters relating to classification and valuation.

उपरोक्त परिच्छेद १(a) में बताए गए अपीलों के अलावा शेष सभी अपीलें सीमा शुल्क,केंद्रीय उत्पाद शुल्क एवं सेवाकर अपीलीय न्यांयाधिकरण (सिस्टेट)की पश्चिम क्षेत्रीय पीठिका,,द्वितीय तल, बहुमाली भवन असार्वा अहमदाबाद- ३८००१६को की जानी चाहिए ।/ (ii)

To the West regional bench of Customs, Excise & Service Tax Appellate Tribunal (CESTAT) at, 2nd Floor, Bhaumali Bhawan, Asarwa Ahmedabad-380016in case of appeals other than as mentioned in para-1(a) above

Bnawan, Asarwa Ahmedabad-380016m case of appeals other than as mentioned in para- 1(a) above अपीलीय न्यायाधिकरण के समक्ष अपील प्रस्तुत करने के लिए केन्द्रीय उत्पाद शुल्क (अपील)नियमावली, 2001, के नियम 6 के अंतर्गत निर्धारित किए गये प्रपन्न EA-3 को चार प्रतियों में दर्ज किया जाना चाहिए । इनमें से कम से कम एक प्रति के साथ, जहां उत्पाद शुल्क की माँग ,ब्याज की माँग और लगाया गया जुर्माना, रुपए 5 लाख या उससे कम,5 लाख रुपए या 50 लाख रुपए तक अथवा 50 लाख रुपए से अधिक है तो क्रमश: 1,000/- रुपये, 5,000/- रुपये अथवा 10,000/- रुपये का निर्धारित जुमा शुल्क की प्रति संलग्न करें। निर्धारित शुल्क का भुगतान, संबंधित अपीलीय न्यायाधिकरण की शाखा के सहायक रजिस्टार के नाम से किसी भी साविजनक क्षेत्र के बैंक द्वारा जारी रेखांकित बैंक ड्राफ्ट द्वारा किया जाना चाहिए। संबंधित ड्राफ्ट का भुगतान, बैंक की उस शाखा में होना चाहिए जहां संबंधित अपीलीय न्यायाधिकरण की शाखा स्थित हैं। स्थगन आदेश (स्टे ऑर्डर) के लिए आवेदन-पन्न के साथ 500/- रुपए का निर्धारित शुल्क जमा करना होगा। · (iii)

The appeal to the Appellate Tribunal shall be filed in quadruplicate in form EA-3 / as prescribed under Rule 6 of Central Excise (Appeal) Rules, 2001 and shall be accompanied against one which at least should be accompanied by a fee of Rs. 1.000/- Rs.5000/- Rs.10,000/- where amount of dutydemand/inierest/penalty/refund is upto 5 Lac., 5 Lac to 50 Lac and above 50 Lac respectively in the form of crossed bank draft in favour of Asst. Registrar of branch of any nominated public sector bank of the place where the bench of any nominated public sector bank of the place where the bench of stay shall be accompanied by a fee of Rs. 500/-

अपीलीय न्यायाधिकरण के समक्ष अपील, वित्त अिधनियम, 1994 की धारा 86(1) के अंतर्गत सेवाकर नियमवाली, 1994, के नियम 9(1) के तहत निर्धारित प्रपन्न S.T.-5 में चार प्रतियों में की जा सकेगी एवं उसके साथ जिस आदेश के विरुद्ध अपील की गयी हो, उसकी प्रति साथ में सलग्न करें (उनमें से एक प्रति प्रमाणित होनी चाहिए) और इनमें से कम से कम एक प्रति के साथ, जहां सेवाकर की माँग, ब्याज की माँग और लगाया गया जुर्माना, रुपए 5 लाख या उससे कम, 5 लाख रुपए या 50 लाख रुपए तक अथवा 50 लाख रुपए से अधिक है तो क्रमश: 1,000/- रुपये, 5,000/- रुपये अथवा 10,000/- रुपये का निर्धारित जमा शुल्क की प्रति संलग्न करें। निर्धारित शुल्क का भुगतान, संबंधित अपीलीय न्यायाधिकरण की शाखा के सहायक रिजस्टार के नाम से किसी भी सार्वजिनक क्षेत्र के बैंक द्वारा जारी रेखांकित बैंक ड्राफ्ट द्वारा किया जाना चाहिए। संबंधित ड्राफ्ट का भुगतान, बैंक की उस शाखा में होना चाहिए जहां संबंधित अपीलीय न्यायाधिकरण की शाखा स्थित है। स्थगन आदेश (स्टे ऑर्डर) के लिए आवेदन-पत्र के साथ 500/-(B) रुपए का निर्धारित शुल्क जमा करना होगा ।

The appeal under sub section (1) of Section 86 of the Finance Act, 1994, to the Appellate Tribunal Shall be filed in quadruplicate in Form S.T.5 as prescribed under Rule 9(1) of the Serwice Tax Rules, 1994, and Shall be ascompanied by a copy of the order appealed against (one of which shall be certified copy) and should be accompanied by a fees of Rs. 1000/- where the amount of service tax & interest demanded & penalty levied of Rs. 5 Lakins or less, Rs. 5000/- where the amount of service tax & interest demanded & penalty levied is more than live lakins out not exceeding Rs. Fifty Lakins, Rs. 10,000/- where the amount of service tax & interest demanded & certified is more than live lakins rupees, in the form of crossed bank draft in lavour of the Assistant Registrar of the bench of nominated Public Sector Bank of the place where the bench of Tribunal is situated. / Application in add for grant of stay shall be accompanied by a fee of Rs. 500/-.

...2...

यदि माल के किसी चुकसान के मामले में, जहां नुकसान किसी माल को किसी कारखाने से मंदार गृह के पारंगमन के दौरान या किसी अप कारखाने या किसी मंदार गृह में पाल के प्रास्करण के दौरान, किसी माल के प्राप्त के पारंगमन के दौरान, किसी माल के प्राप्त में माल के प्राप्त के मामले में। कारखाने या किसी भंदार गृह में माल के नुकसान के मामले में। In ease of any loss of goods, where the loss occurs in transit from a factory to a warehouse or to another factory or from one warehouse to another during the course of processing of the goods in a warehouse or in storage or from one warehouse to another during the course of processing of the goods in a warehouse or in storage A revision application lies to the Under Secretary, to the Government of India, Revision Application Unit, Ministry of Section 35E of the CEA 1944 in respect of the following case, governed by first proviso to sub-section (1) of Section-35B ibid: Revision application to Government of India: इस आदेश की पुनरीक्षणपानिका निम्नलिखित मामली में, केंद्रीय उत्पाद शुल्क अधिनियम,1994 की धारा 35EE के प्रथमपरंतुक के अंतर्गतिअवर् सचित, भारत सरकार, पुनरीक्षण आवेदन ईकाई, वित्त मंत्रालय, राजस्व विभाग, चौथी मंजिल, जीवन दीप भवन, संसद मार्ग, नई दिल्ली-110001, को किया जाना चाहिए। \ (C) भारत सरकार कोपुनरीक्षण आवेदन : हैंगान अंत्रा एवं अपाल का तान हैंगान हैंगान का तान हैंगान का तान हैंगान का तान हैंगान ह ।। पिंड़ डिन गुगा कि छिमिर हेप्र हिस नाम्ड निधाराक्ती असम के रिकिशीए मिलीमेर किकी हैए में भंगार के 1014 के 1014 के 1018 मेड़ की इस किकी अपीलीम पिकिशी के 1018 मिड़ की इस कि ध्रीए ते गान की भी है। कि मान उर्वनम् सकर पर्द तोग्नांध्र के व सफर्न के जिनासफर्न सम्ह उर्वनम् (111) The appeal under sub section (2) and (2A) of the section 86 the Finance Act 1994, shall be filed in For ST.7 as The appeal under sub section (2) and (2A) of the section 86 the Finance Act 1994, shall be filed in For ST.7 as prescribed under Rule 9 (2) & 9(2A) of the Service Tax Rules, 1994 and shall be accompanied by a copy of order of Commissioner. Commissioner, Commissioner of (11) (II) मिर्न िएक एनम में भाम कि तीर कि एंड्रीस निव्ह में इस्ट्रीन कि मिरक एड मड़ेना कि एरकशीयाफ पिरियेस कि उसके उसके उसके प्रायन परिस्क (AS)e के तहत निर्धीरेत प्रयत्न S.T.-T की जा सकेगी एवं उसके साथ आधुक्त, केन्द्रीय उत्पाद थुल्क अथवा आधुक्त (अपील), केन्द्रीय उत्पाद पुल्क हारा पारित आदेश को प्रतिस्त (अपील), केन्द्रीय उत्पाद कुल्क हारा पारित आदेश को प्रतिस्त अथवा उपायुक्त, प्रतिस्त हारा सहाय के प्रतिस्त अथवा उपायुक्त, ह्य (S)ह मधन के ,1994 की धारा 86 को उप-धाराओं (AS) एवं (AS) के अंतर्गत दर्ज की भाषी अधील, सेवाकर नियमवाती, 1994, के नियम 9(2) (I)

भारत के बाहर किसी राष्ट्र पा क्षेत्र को निर्मात कर रहे माल के विनिर्माण में प्रयुक्त कच्चे माल पर भरी गई केन्द्रीय उत्पाद शुल्क के छुट (रिबेट) के मामले में, जो भारत के बाहर किसी राष्ट्र या क्षेत्र को निर्मात की गयी है। I In case of rebate of duty of excise on goods exported to any country or territory outside India of on excisable material used in the manufacture of the goods which are exported to any country or territory outside India.

पदि उत्पाद शुल्क का भुगतान किए बिना भारत के बाहर, नेपाल या भटान को माल निर्मात किया गया है। \ In case of Roods exported outside India export to Nepal or Bhutan, without payment of duty.

u ई ग्रम प्रकी नशीए में अपार के उत्पादन युक्क के मुगतान के लिए जो डारी के डिस अधिमाम एवं ड्सके कि प्राप्त के कार्य संज्ञान के उत्प में इाहा पर रूप हिंदीमामाम किस अधिमान के लिए होंगे कि तमने प्राप्त के अधिमान के लिए होंगे के प्राप्त के अधवा समायात्रिय पर या बाह (VI)

Credit of any duty allowed to be utilized towards payment of excise duty on final products under the provisions of this Act or the Rules made there under such order is passed by the Commissioner (Appeals) on or after, the date appointed under Sec. 109 of the Finance (No.2) Act, 1998.

पुनरीक्षण आवेदन के साथ निम्नलिखन निर्धित युत्क की अदायगी की जानी चाहिए। तो रूपये 1000 न का भुगतान किया जाए। तो रूपये 1000 न का भुगतान किया जाए। Lac or less and Rs. 1000/- where the amount involved is more than Rupees One Lac.

पृद्धि इस आहेशा में कई मुल आहेशों का समावेश है तो प्रसेक मुल आहेश के लिए घुल्क का मातान, उपमुक्त हम घडार. के होते हुए भी को लिखा पढ़ी कार्य से बचने के लिए यथास्थित अपीलीय न्याधिकरण को एक अपील या केरीय सुरकार को एक आदिन किया जाता है। \ ते ते ते तहे होते कार्य से बचने के लिए यथास्थित अपीलीय न्याधिकरण की एक अपील या केरीय सुरकार को एक आदिन किया जाता इंडाएडडबंत काकामहा, notwithstanding the tact that the one appeal to the Appellant Tribunal or the one application to the Central Govt. As the case may be, is filled to avoid scriptoria work if excrising Rs. 1 lakh fee of Rs. 100\-

यथासंशोधित न्यायालय युक्क अधिनयम, 1975, के अनुसान मूल आदेश एवं स्थान आदेश को प्रति पर निर्धारित 6.50 रुपये का न्यायालय युक्क दिकिट लेगा होना चाहिए। \ One copy of application or O.L.O. as the case may be, and the order of the adjudicating authority shall bear a court fee stamp of Rs.6.50 as prescribed under Schedule-1 in terms of the Court Fee Act, 1975, as amended.

सीमा शुल्क, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क एवं सेवाकर अपीलीय यायाधिकरण (कार्य विधि) नियमावली, 1982 में वर्णित एवं अन्य संबन्धित मामलों को सामालित कर्ने वाले नियमों की और भी थ्यान आकषित किया जाता है। Attention is also invited to the rules covering these and other related matters contained in the Customs, Excise and Service Appellate Tribunal (Procedure) Rules, 1982.

उस्य अपीलीप प्राधिकारी को अपील द्वाखित करने से संबंधित व्यापक, विस्तृत और नदीनतम प्रावधानों के लिए, अपीलार्थी विभागीय वेबसाइंट www.cbec.gov.in की देख सकते हैं । / For the elaborate, detailed and latest provisions relating to filing of appeal to the higher appellate authority, the appellant may refer to the Departmental website www.cbec.gov.in.



(c)

(H)

(H)

 (Π)

(A)

:: अपील आदेश / ORDER-IN-APPEAL ::

Dr. Hardik Yogindra Mehta, Bhavnagar (hereinafter referred to as "Appellant") has filed the present Appeal against Order-in-Original No. 513/SERVICE TAX/DEMAND/2021-22 dated 13.08.2022 (hereinafter referred to as 'impugned order') passed by the Assistant Commissioner, Central GST, Bhavnagar-1 (hereinafter referred to as 'adjudicating authority').

- 2. The facts of the case, in brief, are that the Income Tax Department shared the third party information/ data based on Income Tax Returns/ 26AS for the Financial year 2015-16 of the Appellant. Letter dated 24.07.2020 was issued by the Jurisdictional Range Superintendent requesting the Appellant to provide information/documents viz. copies of I.T. Returns, Form 26AS, Balance Sheet (including P&L Account), VAT/ Sales Tax Returns, Annual Bank Statement, Contracts/ Agreements entered with the persons to whom services provided etc. for the Financial year 2014-15, 2015-16, 2016-17 & 2017-18 (upto June-2017). However, no reply was received from the Appellant.
- 3. In absence of data/information, a show cause notice dated 09.10.2020 was issued to the Appellant, demanding Service Tax and cess to the tune of Rs. 3,85,201/- under Section 73(1) of the Finance Act, 1994 (hereinafter referred to as 'the Act') alongwith interest under Section 75 of the Act. It was also proposed to impose penalties under Section 77(1)(a), 78, 77(2) and 77(1)(c) of the Act.
- 4. The adjudicating authority vide the impugned order confirmed Service Tax demand of Rs. 3,85,201/- under Section 73(1) along with interest under Section 75 of the Act, imposed penalty of Rs. 3,85,201/- under Section 78 and penalty of Rs. 5,000/- each under Section 77(1)(a), 77(2) and 77(1)(c) of the Act.
- 5. Being aggrieved, the Appellant has preferred the present appeal on ground that the Show Cause Notice issued based on presumptions and third-party information is not sustainable in terms of Board Circular issued in 2017. The Show Cause Notice has been issued without considering the fact that the service provided may fall under negative list or exempt as per mega exemption Notification No. 25/2012 of may fall under reverse charge mechanism and service receiver may liable to pay Service Tax. They relied on the decision in the case of Commissioner Vs. Sharma Fabricators & Erectors Pvt. Ltd. 2019, Oudh Sugar Mills Ltd. Vs. UOI 1978. The extended period of limitation not applicable in terms of proviso to Section 73(1) of the Act and they relied on the decision in the case of Cosmic Dye Chemical Vs. Collector of Central Excise, Bombay-1995 (75) ELT 721 (SC). There can be no suppression if assessee was ignorant in Tamilnadu Housing Board Vs. CCE, 1995 Supp(1) SCC. No corroborative evidence

A'y

fact. The services provided by him are exempt as per Sr. No. 2(i) of mega exemption Notification No. 25/2012 as he is an authorized medical practitioner and provides health care services to various hospitals viz. Shalby Ltd., Tapan Hospital Pvt. Ltd., Medilink Hospital and Research Centre Pvt. Ltd., Atulbhai Ramanlal Patel etc. He is a general physician and an MD, MBBS by qualification and life time member of Indian Medical Association, Society for Emergency Medicine India and Indian Society of Critical Care Medicine.

- 6. The matter was posted for hearing on 22.02.2022. CA Sachin Dharwal appeared for personal hearing and submitted that the appellant is a doctor and his services are exempt. He submitted that the appellant had moved from his address in Bhavnagar to Ahmedabad and did not receive any letter before the Show Cause Notice or the Show Cause Notice. Even the Order-In-Original was received in person at a much later date after getting a call from the office of the Adjudicating Authority. He requested to set aside the impugned order.
- 7. I have carefully gone through the case records, impugned order and appeal memorandum filed by the Appellant. I find that the issue to be decided in the case on hand is whether the activity carried out by the appellant is liable to Service Tax or otherwise.
- 8. I find that Show Cause Notice had been issued without verifying any data or nature of services provided by the Appellant as the same had been issued only on the basis of data received from the Income Tax department and the Adjudicating Authority has confirmed the demand of Service Tax vide impugned order. It has been held by the Adjudicating Authority that the service provided by the Appellant is a taxable service in absence of information/ documents which were neither submitted by the Appellant nor they had filed any defense submission and not appeared for personal hearing also.
- 9. The Appellant has contended that he is registered medical practitioner serving in the medical profession as Bachelor of Medicine & Bachelor of Surgery (MBBS) and Doctor of Medicine in Tuberculosis & Chest Diseases branch and provides healthcare service at various hospitals. He further contested that being a Doctor engaged in Medical profession, his case falls under Negative list as per Section 66D of Finance Act, 1994, and referred Notification No.25/2012-Service Tax dated 20.06.2012, according to which services provided by medical professional were not liable to Service Tax. Now, it is to be examined whether the services provided by the her will be covered under the Negative list under Section 66D of Finance Act, 1994 or Notification No.25/2012-Service Tax dated 20.06.2012.



10. In the above context, I find that Health care services by a clinical establishment, an authorized medical practitioner or para-medics are exempted under Notification No.25/2012-S.T. dated 20-06-2012. The relevant portion of the Notification No.25/2012-S.T. dated 20-06-2012 is reproduced as under:

"In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 93 of the Finance Act, 1994 (32 of 1994) (hereinafter referred to as the said Act) and in supersession of notification number 12/2012-Service Tax, dated the 17th March, 2012, published in the Gazette of India, Extraordinary, Part II, Section 3, Sub-section (i) vide number G.S.R. 210(E), dated the 17th March, 2012, the Central Government, being satisfied that it is necessary in the public interest so to do, hereby exempts the following taxable services from the whole of the service tax leviable thereon under section 66B of the said Act, namely:-

- 1. -----;
- 2. Health care services by a clinical establishment, an authorised medical practitioner or para-medics;"
- 11. I find that "Health care services", "a clinical establishment" and "an authorised medical practitioner" are defined at para 2 (t), (j) and (d) respectively of the Notification No.25/2012-S.T. dated 20-06-2012 as under:
 - (t) "health care services" means any service by way of diagnosis or treatment or care for illness, injury, deformity, abnormality or pregnancy in any recognised system of medicines in India and includes services by way of transportation of the patient to and from a clinical establishment, but does not include hair transplant or cosmetic or plastic surgery, except when undertaken to restore or to reconstruct anatomy or functions of body affected due to congenital defects, developmental abnormalities, injury or trauma;
 - (j) "clinical establishment" means a hospital, nursing home, clinic, sanatorium or any other institution by, whatever name called, that offers services or facilities requiring diagnosis or treatment or care for illness, injury, deformity, abnormality or pregnancy in any recognized system of medicines in India, or a place established as an independent entity or a part of an establishment to carry out diagnostic or investigative services of diseases;
 - (d) "authorized medical practitioner" means a medical practitioner registered with any of the councils of the recognized system of medicines established or recognized by law in India and includes a medical professional having the requisite qualification to practice in any recognized system of medicines in India as per any law for the time being in force;
- 12. On going through the degree certificate as well as books of account produced by the Appellant, I find that the Appellant is a medical practitioner having Registration Certificate No. G-12160 and was practicing at various hospitals at Ahmedabad during the relevant period, which was covered under the definition of health care services provided in a clinical establishment by a

Air

authorized medical practitioner as per para 2(t), (j) and (d) of the Exemption Notification. Further, the services provided by the Appellant as a M.B.B.S./M.D., are covered under the Health care services. Therefore, the services provided by the Appellant as an authorized medical practitioner during the relevant period were not taxable and were exempted under the above said Notification No.25/2012-S.T. dated 20-06-2012. Accordingly, I find that demand of Service Tax on the said services provided by the Appellant is not sustainable.

- 13. In view of discussions and finding, I set aside the impugned order and allow the appeal filed by the Appellant.
- अपीलकर्ता द्वारा दंर्ज की गई अपील का निपटारा उपरोक्त तरीके से किया जाता है ।

, 14. The appeal filed by Appellant is disposed off as above. सत्यापित / Attested

आर. अंस. बॉरीचा / R. S. BORICHA (शिव प्रताप सिंह)/(Shiv Pratap Singh), अधीक्षक / Superintendent

के. व. एवं सेवा कर अपील्स, राज्वासुक्त (अपील)/Commissioner (Appeals)

By R.P.A.D. GGST Appeals, Rajkot

To, Dr. Hardik Yogindra Mehta, Sanidhya Elegance, Opp. Azad Society Bus Stop, Ambawadi, Ahmedabad-380 015. सेवा में, डॉ. हार्दिक योगींद्र मेहता, सानिध्य एलीगंस, आजाद सोसाइटी बस स्टॉप के सामने, आंबावाडी, अहमदाबाद-380 015 ।

प्रतिलिपि:-

- 1) मुख्य आयुक्त, वस्तु एवं सेवा कर एवं केन्द्रीय उत्पाद शुल्क, गुजरात क्षेत्र, अहमदाबाद को जानकारी हेत्।
- 2) आयुक्त, वस्तु एवं सेवा कर एवं केन्द्रीय उत्पाद शुल्क, भावनगर आयुक्तालय, भावनगर को आवश्यक कार्यवाही हेत्।
- अपर आयुक्त, वस्तु एवं सेवा कर एवं केन्द्रीय उत्पाद शुल्क, भावनगर को आवश्यक कार्यवाही हेत्।
- 4) सहायक आयुक्त, वस्तु एवं सेवा कर एवं केन्द्रीय उत्पाद शुल्क, भावनगर-1 मण्डल को आवश्यक कार्यवाही हेत्।
- 5) गार्ड फ़ाइल।

